सीएनजी बसें बंद, डीजल की खटारा दौड़ रही शहर में

- प्रधानमंत्री की अपील को दरकिनार कर रहा नगर निगम
- कार्बन उत्सर्जन से बढ़ रहा प्रदूषण

नव भारत न्यूज

इंदौर. देश में एक तरफ प्रधानमंत्री पेट्रोल डीजल बचाने के बात कह रहे हैं. वहीं दूसरी ओर इंदौर नगर निगम सीएनजी बसों की जगह डीजल बसें चला रहा है. इतना ही नहीं नगर निगम की 150 सीएनजी बसें खड़ी होकर धूल खा रही है. नई इलेक्ट्रिक बसें आने से बाद नगर निगम द्वारा अटाले में तब्दील होती बसों की तरफ ध्यान देना ही उचित नहीं समझा जा रहा है.

शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव प्रधानमंत्री की पेट्रोल डीजल बचाने की अपील को अमल में लेकर हफ्ते एक दिन चार पहिया वाहन की जगह दो पहिया वाहन पर घूम कर कार्य कर रहे हैं. महापौर पर्यावरण संरक्षण के भी बात कर सौर ऊर्जा और कार्बन उत्सर्जन कम करने को लेकर जनता से आग्रह कर रहे हैं. वहीं नगर निगम शहर में सीएनजी बसें बंद कर डीजल बसें चला रहा है. डीजल बसें भी अधिकतर खटारा हो चुकी है और उनसे शहर में भारी प्रदूषण फैल रहा है. साथ ही निगम की खटारा बसों से शहर में कार्बन उत्सर्जन कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कई बार आंकड़े जारी कर बता चुका है कि शहर में प्रदूषण खतरे के निशान को छूने की करीब है. नगर निगम ने प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण संरक्षण को लेकर सीएनजी बसें चलाई थी, लेकिन कुछ समय बाद ही शहर से सीएनजी बसें गायब होकर स्टार चौराहे के पास सरकारी जमीन पर अटाले में तब्दील होने की प्रक्रिया चल रही है.

220 बसें चल रहीं शहर में

नगर निगम की शहर में 220 बसें चल रही है, जिसमें 50 बसें इलेक्ट्रिक बाकी सब डीजल बसें चल रही है और वो भी खटारा हो चुकी है. कुल मिलाकर शहर में नगद निगम के अधीन एआईसीटीएसएल बसों का संचालन करता है, लेकिन प्रधानमंत्री की पेट्रोल डीजल बचाने के अपील पर ध्यान नहीं दे रहा है. यही कारण है कि शहर में सीएनजी की बसें अटाला बनाने के लिए खड़ी कर दी गई. एक बात और सामने आई हैं सीएनजी बसें इसलिए बंद कर दी गई है कि बस ऑपरेटरों द्वारा एआईसीटीएसएल को 2.20 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया है, इसलिए बसें खड़ी कर ली गई. ऑपरेटर बसें चलाने को तैयार नहीं है.

ऑपरेटर बसें चलाने तैयार नहीं

एआईसीटीएसएल के सीईओ अर्थ जैन ने कहते है कि ऑपरेटरों से 2.20 करोड़ लेना है. उनकी बैंक गारंटी हमारे पास जमा है. हमने कई बार नोटिस दिए है, लेकिन सीएनजी ऑपरेटर बसें चलाने को तैयार नहीं है. आगे कंपनी 18 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी जब्त करने की कार्रवाई करेगी.

एक्सपर्ट के अनुसार घातक है प्रदूषण का बढ़ना

शहर के पर्यावरणविद डॉ. शंकरलाल गर्ग ने कहा कि इंदौर में दिन प्रतिदिन प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। इसका एक कारण डीजल पेट्रोल से चलने वाली बसे भी है। प्रधानमंत्री डीजल पेट्रोल के खपत कम करने का बोल रहे है। वही दूसरी ओर शहर में सीएनजी बसें बंद कर डीजल बसें चलाना प्रदूषण को बढ़ाता है। मेरी राय है कि शासन और प्रशासन ,नगर निगम को प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों को कम करने पर विचार करना चाहिए। प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का उपयोग कम से कम करना चाहिए।

अब कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया व्यर्थ पानी बहाने का आरोप

- महापौर निवास का व्यर्थ पानी बहाने का वीडियो वायरल

नव भारत न्यूज

इंदौर. कांग्रेस और भाजपा में पानी को लेकर जंग जारी है. कल भाजपा ने कांग्रेस के आंदोलन में पानी फव्वारे लगाने का वीडियो वायरल किया. आज कांग्रेस ने महापौर निवास पर टैंकर से सड़क धोने का वीडियो वायरल कर दिया.

शहर में पानी की समस्या राजनीतिक दलों के लिए आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा बन गई है. कल कांग्रेस ने शहर में पानी की किल्लत को लेकर धरना आंदोलन किया और निगम कार्यालय पर मटके फोड़े. इस दौरान भाजपा ने धरना स्थल पर रहवासियों और कार्यकर्ताओं को गर्मी से राहत के लिए फव्वारे से पानी व्यर्थ करने का आरोप लगाकर वीडियो चलाया. इसके बाद आज पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष मिथुन यादव ने महापौर निवास पर नगर निगम के टैंकर से पेवर ब्लॉक धोने का वीडियो वायरल किया. वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि किस तरह पानी का व्यर्थ उपयोग किया जा रहा है.

पंजीयन के अवैधानिक प्रतिबंध से हटी रोक

- प्रमुख सचिव ने आदेश जारी कर अधिकारियों को दिए निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश के वाणिज्यकर प्रमुख सचिव के आदेश से कलेक्टरों द्वारा लगाए अवैध कॉलोनी और बिना रेरा पंजीयन पर लगी रोक हटा दी गई है. प्रमुख सचिव ने पंजीयन को दो लोगों के बीच आपसी संव्यवहार बताया है. आदेश में स्पष्ट किया कि जब कोर्ट से रोक अथवा नगर निगम द्वारा कॉलोनी अनुमति निरस्त नहीं हो तब ही पंजीयन ना करें.

प्रदेश के वाणिज्यकर प्रमुख सचिव अमित राठौर के एक आदेश से सभी कलेक्टर द्वारा अवैध कॉलोनी, रो हाउसेस, फार्म हाउस की रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक हटा दी गई है. प्रमुख सचिव राठौर ने प्रदेश के सभी पंजीयन अधिकारियों को 26 मई को जारी आदेश में स्पष्ट किया कि पंजीयन पर अवैधानिक प्रतिबंध हटाया जाए. पंजीयन दो व्यक्तियों या लोगों के बीच आपसी संव्यवहार है, ना कि स्वामित्व का प्रमाण है. आदेश में पंजीयन विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि जानकारी में आया है पंजीयन के लिए लोगों से अनापत्ति प्रमाणपत्र और अनुमति मांगी जा रही है, अवांछित है. दस्तावेजों पंजीयन और अंतरण करना विभाग के अधिकार क्षेत्र में है. जब तक की कोई न्यायलीन प्रकरण दर्ज नहीं हो या फिर नगर निगम द्वारा अनुमति पर रोक हो. दरअसल यह आदेश पंजीयन विभाग के अधिवक्ताओं की शिकायत पर जारी किया गया है. अधिवक्ताओं ने वित्त सचिव और प्रमुख सचिव पंजीयन को शिकायत कर जानकारी दी थी कि पंजीयन अधिकारियों द्वारा पंजीयन दस्तावेज कार्य के लिए अनावश्यक रूप से एनओसी और अनुमति की मांग की जा रही है. परिणामस्वरूप शासन को गाइडलाइन बढ़ाने के बावजूद राजस्व हानि और व्यक्ति के पंजीयन अधिकारों का हनन किया जा रहा है. मामले की गंभीरता और राजस्व आय में नुकसान को लेकर वाणिज्यकर प्रमुख सचिव अमित राठौर ने 26 मई को सभी अधिकारियों को आदेश देकर पंजीयन करने के लिए कहा है.

आकांक्षा योजना में अनियमितताओं के विरोध में एनएसयूआई का धरना

नवभारत न्यूज

इंदौर. आदिवासी छात्रों के लिए संचालित आकांक्षा योजना में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के विरोध में बुधवार को एनएसयूआई ने इंदौर कलेक्टर कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया. प्रदर्शन का नेतृत्व हस्ढ्ढ इंदौर जिला उपाध्यक्ष संदीप पाठोदे ने किया. बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और एनएसयूआई कार्यकर्ता आंदोलन में शामिल हुए.

धरने को संबोधित करते हुए संदीप पाठोदे ने कहा कि आकांक्षा योजना का उद्देश्य आदिवासी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर उपलब्ध कराना था, लेकिन भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण छात्र परेशान हो रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि विद्यार्थियों को समय पर सुविधाएं नहीं मिल रहीं और उनकी शिकायतों की अनदेखी की जा रही है. प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर योजना में हो रही गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और छात्रों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की. एनएसयूआई नेताओं ने चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा. धरने के दौरान छात्रों ने शिक्षा में भ्रष्टाचार बंद करो, आदिवासी छात्रों को न्याय दो और आकांक्षा योजना में पारदर्शिता लागू करो जैसे नारे लगाए. एनएसयूआई ने कहा कि शिक्षा और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा.

उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों का उत्साह

- प्रथम चरण में 2.78 लाख से अधिक पंजीयन
- 87 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

नवभारत न्यूज

इंदौर. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2026-27 के अंतर्गत विद्यार्थियों में प्रवेश को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है. प्रथम चरण में स्नातक स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों के लिए अब तक कुल 2 लाख 78 हजार 742 पंजीयन प्राप्त हुए हैं. इनमें से 2 लाख 10 हजार 460 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है.

प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया में अब तक कुल 87 हजार 687 विद्यार्थियों ने प्रवेश सुनिश्चित किया है. इनमें स्नातक स्तर पर 70 हजार 752 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 16 हजार 935 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है.

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के लिए 30 मई तक पंजीयन-एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रथम चरण के प्रवेश हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित की गई है. इन पाठ्यक्रमों की सीट आवंटन सूची 10 जून 2026 को जारी की जाएगी. वहीं, सामान्य पाठ्यक्रमों के द्वितीय चरण के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 3 जून 2026 तय की गई है तथा सीट आवंटन सूची 7 जून 2026 को जारी होगी.

प्रभावी मेंटेनेंस के बावजूद बिजली उपभोक्ता परेशान

- एक माह में हजारों शिकायतें अब भी लंबित

नवभारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लगातार आपूर्ति सुधार और प्रभावी मेंटेनेंस के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत अब भी उपभोक्ताओं की परेशानी कम नहीं कर पा रही है. कंपनी के आंकड़ों के अनुसार मालवा-निमाड़ क्षेत्र में बिजली संबंधी शिकायतों में केवल सीमित कमी दर्ज हुई है, जबकि क्षेत्र में करीब 62 लाख उपभोक्ता अब भी बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और फॉल्ट जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं .कंपनी के अनुसार 26 अप्रैल को आपूर्ति संबंधी शिकायतों की संख्या 9969 थी, जो 26 मई को घटकर 8841 रह गई. यानी एक महीने में करीब 12 प्रतिशत कमी आई, लेकिन इसके बावजूद प्रतिदिन हजारों शिकायतें दर्ज होना व्यवस्था की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है. उपभोक्ताओं का कहना है कि मेंटेनेंस और सुधार कार्यों के दावों के बावजूद कई क्षेत्रों में बार-बार बिजली बाधित हो रही है. शिकायत दर्ज कराने के बाद भी समाधान में देरी आम बात बन चुकी है. हालांकि कंपनी प्रबंधन का दावा है कि 1912 केंद्रीकृत कॉल सेंटर पर आईवीआर तकनीक के जरिए उपभोक्ता आसानी से शिकायत दर्ज करा सकते हैं और ऊर्जस एप पर भी सुविधाएं उपलब्ध हैं .

आरटीओ की कार्रवाई या दिखावटी अभियान

- बस ऑपरेटरों पर सिर्फ 65 हजार का जुर्माना

नवभारत न्यूज

इंदौर. परिवहन विभाग द्वारा यात्री बसों और अन्य वाहनों के खिलाफ चलाए गए विशेष जांच अभियान पर सवाल उठने लगे हैं. विभाग ने दावा किया है कि सघन जांच के दौरान विभिन्न वाहन संचालकों से कुल 65 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूला गया, लेकिन इतने बड़े स्तर पर चलने वाले यात्री परिवहन नेटवर्क के मुकाबले यह कार्रवाई बेहद मामूली मानी जा रही है.

परिवहन आयुक्त उमेश जोगा और कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आरटीओ इंदौर एवं संभागीय परिवहन उड़नदस्ता ने धार रोड, राऊ और पीथमपुर क्षेत्र में बसों व अन्य वाहनों की जांच की. अधिकारियों ने परमिट, फिटनेस, बीमा और अन्य दस्तावेजों की जांच की, साथ ही फायर सेफ्टी उपकरण और स्पीड गवर्नर भी चेक किए. हालांकि सवाल यह उठ रहा है कि यदि इतनी बड़ी संख्या में यात्री वाहन नियमों का उल्लंघन कर रहे थे तो कार्रवाई सिर्फ जुर्माने तक ही सीमित क्यों रही कई वाहन संचालकों पर वर्षों से बिना फिटनेस, ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन विभाग की कार्रवाई अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाती है. अभियान के दौरान अधिकारियों ने यात्रियों से फीडबैक लेकर यह जानने की कोशिश भी की कि चालक तेज गति से वाहन चला रहे हैं या मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं. बावजूद इसके, शहर और आसपास के क्षेत्रों में आए दिन बेलगाम बसों और लापरवाह ड्राइविंग की शिकायतें सामने आती रहती हैं.

आकस्मिक जांच जारी रहेगी-यह कार्रवाई आरटीओ प्रदीप शर्मा और उड़नदस्ता प्रभारी आकाश सिटोले के नेतृत्व में की गई. विभाग का कहना है कि स्कूल और कॉलेज वाहनों की आकस्मिक जांच आगे भी जारी रहेगी, लेकिन अभिभावकों का कहना है कि केवल अभियान चलाने से नहीं, बल्कि स्थायी और कठोर कार्रवाई से ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी.

एक नजर में — शहर के मुख्य मार्गों पर 10 जून से पहले पैचवर्क पूरा करने का लक्ष्य

बारिश के पहले नगर निगम गड्ढे भरने में जुटा

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम शहर में बारिश के पहले गड्ढे भरने में जुट गया है. शहर के सभी क्षेत्रों में प्रमुख और व्यस्त मार्गो पर सड़कों का पेंचवर्क शुरू हो चुका है. खास बात यह है कि 10 जून के पहले शहर की सभी प्रमुख सड़कों का पेचवर्क पूरा करने के आयुक्त ने निर्देश दिया है.

नगर निगम ने बारिश के पहले मुख्य और व्यस्त सड़कों पर पेंचवर्क करना शुरू कर दिया है. महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंगल ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 10 जून के पहले शहर सभी प्रमुख सड़कों के गड्ढे भर जाना चाहिए. यही कारण है कि शहर विभिन्न क्षेत्रों के मुख्य मार्गों पर सड़क सुधार एवं पैचवर्क कार्य लगातार चल रहे हैं. आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी पेंचवर्क कार्य 10 जून के पहले तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे कर लें. इस दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसका विशेष ध्यान रखे.

निम्न सड़कों पर निगम कर रहा पेंचवर्क

नगर निगम ने कल एम.आर.-10 रोड पर हीरा नगर चौराहे से बापट चौराहे तक, राजकुमार ब्रिज, स्टार चौराहे से रेडिसन चौराहे तक, पल्हर नगर 60 फीट रोड, धार रोड तथा रिंग रोड पर मूसा खेड़ी से वर्ल्ड कप चौराहे मार्ग पर पेंचवर्क किया. नगर निगम द्वारा आज राजकुमार ब्रिज के शेष भाग, रेडिसन से स्टार चौराहा मार्ग, रिंग रोड पर मूसा खेड़ी से वर्ल्ड कप चौराहे का शेष हिस्सा, एम.आर.-10 रोड पर हीरा नगर से विजय नगर चौराहे के मध्य शेष भाग तथा कालानी नगर मुख्य मार्ग पर पैचवर्क कार्य किया जाएगा.

एसएसटीडी के कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश

नवभारत न्यूज़

इंदौर. मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बुधवार शाम एसएसटीडी अंतर्गत स्वीकृत विद्युत परियोजनाओं की समीक्षा बैठक ली. बैठक में सभी 15 जिलों के अधीक्षण यंत्रियों एवं एसटीसी प्रभारियों से कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए.

समीक्षा के दौरान एनएचआई, रेलवे और वन विभाग से आवश्यक अनुमतियां समय पर प्राप्त कर परियोजनाओं की गति बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया. सिंह ने कहा कि नए ग्रिड, 33 केवी एवं 11 केवी लाइनों का विस्तार ट्रांसफार्मर स्थापना तथा पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि जैसे कार्यों से लाखों उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता और अधिक विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी. बैठक में कार्यपालक निदेशक एसएल करवाड़िया, मुख्य अभियंता अचल जैन, अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक संजय मालवीय, सुनील पटौदी, मुख्य वित्त अधिकारी अजयपाल सिंह अवास्या, राजेश माहौर, आरबी दोहरे, शहर अधीक्षण यंत्री डीके गाठे एवं विनोवा तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

एक नजर में

स्वदेशी जागरण मंच का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग

इंदौर. स्वदेशी जागरण मंच मालवा प्रांत द्वारा एक दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग आयोजित हुआ. इस दौरान स्वदेशी जागरण मंच के वक्ताओं ने कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक विचार नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का आधार है. समाज के प्रत्येक वर्ग को स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में योगदान देना चाहिए. आज विशिष्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में स्वदेशी जागरण मंच मालवा प्रांत के इंदौर जिले का प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ. प्रशिक्षण वर्ग में इंदौर महानगर के लगभग 60 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और स्वदेशी विचार एवं राष्ट्र निर्माण के विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया. कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रचार प्रमुख हरिओम वर्मा, प्रांत संयोजक डॉ विशाल पुरोहित, मालवा प्रांत महिला प्रमुख पल्लवी व्यास एवं प्रांत मेला संयोजक गजेन्द्र नारंग ने स्वदेशी विचार, आत्मनिर्भर भारत, स्थानीय उद्योगों के संवर्धन , स्वदेशी मेला तथा सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपक जैन टीनू ने की. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान के संचालक डॉ. अनीस अब्बास, डॉ .विक्रम हद्दुआ, एवं सुमित सूरी उपस्थित थे.

हिमालया बेबीकेयर ने लॉन्च किया गोल्डन बेबी गिफ्ट पैक

इंदौर. हिमालया बेबीकेयर ने हिमालया बेबी गोल्डन बेबी गिफ्ट पैक' लॉन्च करने की घोषणा की है, एक विशेष रुप से तैयार एसेंशियल्स पैक, जिसे नए मेहमान के स्वागत को खास बनाने के साथ बेबी केयर गिफ्टिंग को अधिक सार्थक, सुलभ और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है. इसमें भरोसेमंद बेबी केयर के लिए जरुरी वस्तुओं को एक आकर्षक गोल्ड थीम पैक में एक साथ लाया गया है जो देखभाल और अपनापन दोनों को दर्शाता है. चक्रवर्ती एन.वी., निदेशक- बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस कंपनी ने कहा, हिमालया बेबीकेयर में, हम समझते हैं कि शुरुआती माता-पिता बनने का सफर कई ऐसे पलों से भरा होता है जो बेहद व्यक्तिगत होते हैं और जश्न मनाने योग्य होते हैं. इस चरण में उपहार देना केवल उत्पादों के बारे में नहीं है, बल्कि देखभाल, आशीर्वाद, शुभकामनाओं और विश्वास व्यक्त करने के बारे में भी है. गोल्डन बेबी गिफ्ट पैक के साथ, हमारा उद्देश्य एक ऐसा विशेष और विचारपूर्ण विकल्प प्रस्तुत करना है जो हमारे भरोसेमंद बेबी केयर उत्पादों को इस तरह पेश करे, जो ऐसे अवसरों के लिए प्रासंगिक और यादगार हो.

फ्लिपकार्ट ने 'बैक टू कैंपस' सेल के साथ टेक डील पेश की

इंदौर. फ्लिपकार्ट की फ्लैगशिप 'बैक टू कैंपस' सेल का 2026 एडिशन 22 से 28 मई तक चल रहा है. स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई, क्रिएटिविटी, सहयोग और रोजमर्रा की प्रोडक्टिविटी के लिए डिजिटल फर्स्ट और ए.आई इनेबल्ड लर्निंग टूल ज्यादा अपना रहे हैं. इसलिए फ्लिपकार्ट उन्हें ज्यादा किफायती मूल्य में और आसानी से टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराके इस एकेडेमिक सीज़न में उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहता है. इस सेल में ए.आई लैपटॉप, टेबलेट, स्मार्टवॉच और ऑडियो डिवाईस जैसे अनेक उत्पाद उपलब्ध हैं. सुजीत अगाशे, वाईस प्रेसिडेंट- इलेक्ट्रॉनिक्स एट फ्लिपकार्ट ने कहा आज की ए.आई संचालित दुनिया में टेक्नोलॉजी भविष्य के लिए तैयार कौशलों के निर्माण की बुनियाद है. 'बैक टू कैंपस' 2026 के माध्यम से हम हाई-परफॉर्मेंस, ए.आई इनेबल्ड टूल्स की उपलब्धता बढ़ाकर उन्हें पूरे देश के स्टूडेंट्स को किफायती मूल्य में प्रदान कर रहे हैं. प्रतीक शेट्टी, वाईस प्रेसिडेंट - मार्केटिंग एंड ग्रोथ, फ्लिपकार्ट ने कहा हमने इस साल की बैक टू कैंपस सेल कई बेहतरीन डील्स के साथ शुरू की.

'मां है ना' का ट्रेलर अब रिलीज

इंदौर. माँ है ना का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है — और यह ड्रामा, हँसी और दिल को छू लेने वाले भावनात्मक पलों से भरपूर है. ज़ी5 का यह नया नॉन-फिक्शन ओरिजिनल कॉमेडी कुकिंग शो छह जेन ज़ी प्रतिभागियों को उनकी माताओं के साथ जोड़ता है, जहाँ वे एक अनिश्चित और ऊर्जावान किचन मुकाबले में हिस्सा लेते हैं. शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की मेज़बानी में, दर्शकों को कॉमेडी, अफरा-तफरी, भावनात्मक यादों और भरपूर दबाव का मिश्रण देखने को मिलेगा, क्योंकि प्रतिभागी अपने आरामदायक दायरे से बाहर निकलते हैं. यह सिर्फ खाना बनाने का शो नहीं है- बल्कि अपनी माँ के साथ साझा किए गए प्यार, सीख और जीवनभर के रिश्ते को फिर से खोजने की एक यात्रा है। यह लिल फोडो प्रोडक्शन का शो 12 जून और 19 जून को रिलीज़ होने के लिए तैयार है, जिसमें हर हफ्ते 5 एपिसोड प्रसारित किए जाएंगे. माँ है ना एक दिल को छू लेने वाला, ऊर्जावान कॉमेडी कुकिंग शो है जिसमें 10 एपिसोड हैं. इसमें प्रतिभागी अपनी माताओं के साथ मिलकर खाना बनाना सीखते हैं और इसी दौरान वे अपने रिश्ते, संवाद और एक-दूसरे के साथ अपने आरामदायक जुड़ाव को फिर से खोजते हैं. 'माँ है ना' एक नया कॉमेडी कुकिंग रियलिटी शो है, जहाँ खाना बनाना भावनात्मक जुड़ाव और रिश्तों को फिर से समझने का माध्यम बनता है।

विमानतल में हिंदी कार्यशाला आयोजित

इंदौर. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अंतर्गत देवी अहिल्या बाई होलकर विमानतल में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मिश्रित माध्यम से किया गया. कार्यशाला की अध्यक्षता विमानपत्तन निदेशक सुनील मग्गीरवार द्वारा की गई. इस अवसर पर देवेन्द्र सिंह सिसौदिया एवं हेमंत रंगशाही ने राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के महत्व पर व्याख्यान दिए. कार्यशाला में लगभग 30 कार्मिकों ने सहभागिता की. संचालन नाज़मा खान द्वारा किया गया.

टीवीएस मोटर ने 300 से अधिक बाइक की डिलीवर

इंदौर. टीवीएस वेनु के भाग टीवीएस मोटर कंपनी ने इंदौर में एक भव्य डिलीवरी कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां एक ही दिन में उपभोक्ताओं को 300 से अधिक टीवीएस मोटरसाइकलें सौंपी गईं. उपभोक्ताओं और उनके परिवारों ने खूब जोश एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जिससे राइडरों के साथ ब्राण्ड के मजबूत जुड़ाव की पुष्टि हुई. ये सभी मोटरसाइकलें, रोज़मर्रा की राइडिंग के लिए स्टाइलिश, आरामदायक और बेहतरीन परफोर्मेन्स वाले विकल्प उपलब्ध कराने की टीवीएस मोटर कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं. टीवीएस रेडर के स्पोर्टी एवं कनेक्टेड फीचर्स से लेकर टीवीएस रेडियॉन की भरोसेमंद व्यवहारिकता और टीवीएस स्पोर्ट के बहुमुखी आकर्षण तक, यह रेंज देश भर के राइडरों की विभिन्न ज़रूरतों को पूरा करती है. इंदौर में भव्य डिलीवरी कार्यक्रम टीवीएस कम्युटर मोटरसाइकलों की विकास यात्रा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि साबित हुआ है, जो मध्य प्रदेश में मोटरसाइकल की बढ़ती मांग को दर्शाता है.

टीसीआई ने घोषित किए मजबूत वित्तीय परिणाम

इंदौर. मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन समाधान प्रदाता कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही एवं वित्तीय वर्ष के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की. टीसीआई ने 1336 करोड़ रुपए का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 1197 करोड़ रुपए की तुलना में 11.6% की वृद्धि दर्शाता है. कंपनी का ब्याज, कर, मूल्यह्रास एवं अमोर्टाइजेशन से पूर्व लाभ (एबिटडा) 174 करोड़ रुए रहा, जो क्वार्टर4/वित्त वर्ष 2025 के 162 करोड़ रुपए की तुलना में 7.4% अधिक है. पेट में 8.7% की वृद्धि दर्ज की गई और यह 125 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 115 करोड़ रुपए था. ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विनीत अग्रवाल ने कहा वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में गतिशील व्यावसायिक वातावरण में स्थिर प्रदर्शन और अनुशासित संचालन का प्रदर्शन किया है. टीसीआई ने वेयरहाउसिंग, मल्टीमॉडल मूवमेंट और सेक्टर-विशिष्ट लॉजिस्टिक्स समाधानों में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली.